तर्ज- जब हम जवां होंगे

हादी मिले जबसे हम जी उठे तब से
तेरी ही वाणी पे फिदा हम दिल से रहते हैं
दम तेरा भरते हैं

1- हम तुममें हैं तुम हममें,अब तो कोई गम ही नहीं
फरामोशी तिलस्म में रहा,कोई दम ही नहीं
सूरते ईलाही को छिपा के दिल में रखते हैं
दम तेरा भरते हैं

2- निगहबान हमारे हो रहा क्या बाकी है
इस कायम मस्ती का तूं ही मेरा साकी है
महफिल सजा करके सदायें तुमको देते हैं
दम तेरा भरते हैं

3- तुम गंज के पुंजो को लुटाते रहते हो
वाहेदते रूहों में समाए रहते हो
नजरों से पीने की भी ताकत तुमसे लेते हैं
दम तेरा भरते हैं

Nijanand App

4- क्या क्या कुछ बक्शा है बताऊं मैं कैसे
तारीफ रूह अल्लाह की सुनाऊं मैं कैसे
सारी उम्मीदें अपनी घहम तुम पे ही रखते हैं

5- बिसात मेरे कादर की रूहों को आई
इन चौदे तबकों में मोमिनों ने पाई
बातूनी मेहरों की दावतें तुम से लेते हैं
दम तेरा भरते हैं

Nijanand App